



SS – 111

III Semester B.C.A./B.Sc. (F.A.D.) Examination, November/December 2018

(F+R)(CBCS)(Semester Scheme)

(2016 – 17 & Onwards)

HINDI LANGUAGE – III

Natak, Arthagrahan aur Sankshepan

Time : 3 Hours

Max. Marks : 70

- I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या वाक्य में लिखिए : (10×1=10)
- 1) पाँचवा व्यक्ति किस युग का प्रतिनिधित्व करता है ?
 - 2) सूत्रधार पात्रों के माध्यम से किसकी खोज करना चाहता है ?
 - 3) खुद को क्रान्तिकारी मानने वालों की सन्तान उन्हें क्या समझती है ?
 - 4) रामकली किस कर्म को बेशर्मी और बेअदबी कहती है ?
 - 5) यह बर्बर समाज किसे दूसरा विवाह करने का अधिकार नहीं देता है ?
 - 6) प्यारेलाल की बेटी का क्या नाम है ?
 - 7) जैनेट को शुद्ध करके विमल क्या नाम देना चाहता है ?
 - 8) नाटक का कौन-सा पात्र विवाह में विश्वास नहीं करता है ?
 - 9) परम्परा से मुक्ति पाने के बाद ही हम किसका सही अर्थ समझ पाते हैं ?
 - 10) 'युगे-युगे क्रान्ति' - नाटक के नाटककार कौन हैं ?
- II. निम्नलिखित में जे किन्हीं दो अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : (2×7=14)
- 1) यह पाप है। विधवा का विवाह करना शास्त्र और धर्म के विरुद्ध है। जो ऐसा करते हैं वे दुष्ट हैं, शूद्र हैं, नीच और नराधम हैं।

LIBRARY
Surana College
No. 16, South End Road,
BANGALORE - 560 004

P.T.O.



- 5) किसके प्रसन्न होने के वर्षा होती है ?
- 6) पोंगल का पर्व किस महीने में मनाया जाता है ?
- 7) गायों और भैंसों को किस पोंगल में सजाया जाता है ?
- 8) पोंगल के अन्तिम दिन लोग क्या करते हैं ?
- 9) 'प्रसन्न' शब्द का विलोम लिखिए।
- 10) 'पर्व' शब्द का पर्यायवाची लिखिए।

VI. निम्नलिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण कीजिए :- (10)

किसी नगर में एक जुलाहा रहता था। स्वभाव का वह बहुत अच्छा था। सभी से सीठा बोलता था और कभी किसी से नाराज़ नहीं होता था। लोग उसे संत कहा करते थे। एक दिन कुछ शरारती लड़के उसके यहाँ पहुँचे। वे उसकी परीक्षा लेकर देखना चाहते थे कि उसे कैसे गुस्सा नहीं आता। उनमें से एक बहुत धनी व्यक्ति का लड़का था। उसे अपने पैसे का घमंड था। उन लड़कों को देखते ही जुलाहे ने बड़े प्यार से कहा, “आओ बेटा, तुम लोगों को क्या चाहिए ?” सामने रखी साड़ियों में से एक की ओर इशारा करके एक लड़के ने कहा, “मुझे वह साड़ी चाहिए। उसका क्या लोमे ?”

जुलाहे ने कहा “दो रुपये” उस लड़के ने वह साड़ी हाथ में ले ली और उसके दो टुकड़े कर दिए। बोला, “मुझे पूरी नहीं आधी चाहिए। इसका क्या लोमे ?”

जुलाहे ने बड़ी शांति से कहा, “एक रुपया।” नौजवान ने उस आधी साड़ी के भी दो टुकड़े कर के पूछा, “इसका क्या दाम होगा ?”

“आठ आना।” जुलाहे ने बिना किसी प्रकार की नाराज़गी के कहा।

1950
1951
1952
1953
1954
1955
1956
1957
1958
1959
1960
1961
1962
1963
1964
1965
1966
1967
1968
1969
1970
1971
1972
1973
1974
1975
1976
1977
1978
1979
1980
1981
1982
1983
1984
1985
1986
1987
1988
1989
1990
1991
1992
1993
1994
1995
1996
1997
1998
1999
2000
2001
2002
2003
2004
2005
2006
2007
2008
2009
2010
2011
2012
2013
2014
2015
2016
2017
2018
2019
2020
2021
2022
2023
2024
2025